वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का समुद्री खाद्य निर्यात मात्रा के दृष्टि से सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा

प्रशीतित श्रिम्प और प्रशीतित मत्स्य प्रमुख निर्यात वस्तुएं थीं, जबकि यूएसए और चीन शीर्ष बाजार बने रहे

कोच्चि, 18 जून: महत्वपूर्ण निर्यात बाजारों में विभिन्न चुनौतियों के बावजूद, वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान भारत का समुद्री खाद्य निर्यात सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचा। भारत ने 2023-24 के दौरान ₹60,523.89 करोड़ (US$7.38 बिलियन) मूल्य का 17,81,602 मीट्रिक टन समुद्री खाद्य भेजा।

मात्रा और मूल्य की दृष्टि से प्रशीतित श्रिम्प प्रमुख निर्यात वस्तु बना रहा, जबकि अमेरिका और चीन भारत के समुद्री खाद्य के प्रमुख आयातक बन गए। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, मात्रा की दृष्टि से निर्यात में 2.67% का सुधार हुआ। वर्ष 2022-23 में, भारत ने ₹63,969.14 करोड़ (US$8,094.31 मिलियन) मूल्य के 17,35,286 मीट्रिक टन समुद्री खाद्य का निर्यात किया।

समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एमपीईडीए) के अध्यक्ष श्री डी वी स्वामी भा प्र से ने कहा, "भारत ने अमेरिका, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन जैसे अपने प्रमुख निर्यात बाजारों में कई चुनौतियों के बावजूद 7.38 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य के 17,81,602 मीट्रिक टन समुद्री खाद्य का निर्यात करके मात्रा के मामले में अब तक का सर्वोच्च निर्यात दर्ज किया है।"

प्रशीतित श्रिम्प, जिसने ₹40,013.54 करोड़ (US$4881.27 मिलियन) अर्जित किया, ने समुद्री खाद्य निर्यात बास्केट में शीर्ष वस्तु के रूप में अपना स्थान बनाए रखा, जिसकी मात्रा में 40.19% और कुल डॉलर आय में 66.12% की हिस्सेदारी थी। इस अवधि के दौरान श्रिम्प निर्यात में मात्रा के लिहाज से 0.69% की वृद्धि हुई।

2023-24 के दौरान प्रशीतित श्रिम्प का निर्यात 7,16,004 मीट्रिक टन आंका गया था। सबसे बड़े बाजार संयुक्त राज्य अमेरिकाने (2,97,571 मीट्रिक टन) प्रशीतित श्रिम्प का आयात किया, उसके बाद चीन (1,48,483 मीट्रिक टन), यूरोपीय संघ (89,697 मीट्रिक टन), दक्षिण पूर्व एशिया (52,254 मीट्रिक टन), जापान (35,906 मीट्रिक टन) और मध्य पूर्व (28,571 मीट्रिक टन) का स्थान है।

2023-24 में ब्लैक टाइगर (बीटी) श्रिम्प का निर्यात मात्रा, मूल्य और अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में क्रमशः 24.91%, 11.33% और 8.28% बढ़ा। बीटी श्रिम्प का 38,987 मीट्रिक टन निर्यात किया गया, जिसकी कीमत (347.84 मिलियन अमेरिकी डॉलर) थी। चीन (हांगकांग सहित) अमेरिकी डॉलर मूल्य के संदर्भ में 28.43% की हिस्सेदारी के साथ ब्लैक टाइगर श्रिम्प का प्रमुख निर्यात गंतव्य स्थान बन गया, जिसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका (18.21%), यूरोपीय संघ (18.06%) और जापान (13.12%) का स्थान रहा। स्कैम्पी निर्यात ने 2023-24 में मात्रा, रुपये मूल्य और अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में क्रमशः 6.42%, 23.22% और 18.96% की सकारात्मक प्रवृत्ति दिखाई है। 2023-24 में वन्नामेई श्रिम्प निर्यात में मात्रा के हिसाब से 0.33% की वृद्धि हुई है; हालांकि, वे 4809.99 मिलियन अमेरिकी डॉलर से 11.56% घटकर 4253.86 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गए।

अन्य प्रमुख निर्यात वस्तुएँ

दूसरी सबसे बड़ी निर्यातित वस्तु प्रशीतित मत्स्य थी, जिसकी कीमत ₹5,509.69 करोड़ (671.17 मिलियन अमेरिकी डॉलर) थी, जो मात्रा के हिसाब से 21.42% और अमेरिकी डॉलर आय के हिसाब से 9.09% थी। इस वर्ष, प्रशीतित मत्स्य के निर्यात में मात्रा और मूल्य के संदर्भ में क्रमशः 3.54% और 0.12% की वृद्धि हुई; हालांकि, अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में इसमें 2.31% की गिरावट आई।

निर्यात बास्केट में तीसरी सबसे प्रमुख वस्तु मत्स्य और श्रिम्प - खाद्य एवं चारा - अखाद्य सूखी वस्तुओं ने ₹3684.79 करोड़ (यूएस $449.17 मिलियन) अर्जित

किया, जो मात्रा में 15.89 प्रतिशत और डॉलर आय में 6.08 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखती है, जो मात्रा, रुपये मूल्य और यूएस $ के संदर्भ में 15.99%, 34.07% और 31.52% की वृद्धि दर्शाती है। इस समूह में 2,83,019 मीट्रिक टन का निर्यात किया गया। इस समूह में इकाई मूल्य वृद्धि 13.38% देखी गई।

चौथी सबसे बड़ी निर्यात वस्तु प्रशीतित स्क्विड थी, जिसकी कीमत 3061.46 करोड़ रुपये (373.40 मिलियन अमेरिकी डॉलर) थी, जो मात्रा के हिसाब से 5.25 प्रतिशत और डॉलर आय के हिसाब से 5.06 प्रतिशत थी।

सुरीमी और सुरीमी एनालॉग्स का निर्यात पांचवें सबसे महत्वपूर्ण स्थान पर रहा, जो 1,35,327 मीट्रिक टन रहा, मात्रा के लिहाज से 4.12% बढ़ा और इससे ₹2,414.43 करोड़ (294.43 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की कमाई हुई।

प्रशीतित कटलफिश का निर्यात छठे सबसे प्रमुख स्थान पर रहा, जिसका मूल्य 54,316 मीट्रिक टन था, जिसकी कीमत 2252.63 करोड़ रुपये (274.62 मिलियन अमेरिकी डॉलर) थी, जो मात्रा के हिसाब से 3.05 प्रतिशत और अमेरिकी डॉलर आय के हिसाब से 3.72 प्रतिशत थी।

प्रशीतित वस्तुओं का निर्यात सातवें सबसे प्रमुख स्थान पर रहा, जिसे एक आशाजनक क्षेत्र माना जाता है, मात्रा के संदर्भ में 47.06% तथा अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में 8.66% की वृद्धि हुई।

आठवीं सबसे बड़ी निर्यात वस्तु प्रशीतित ऑक्टोपस थी, जिससे 62.17 मिलियन अमेरिकी डॉलर प्राप्त हुए, इसके बाद मत्स्य का तेल (58.51 मिलियन अमेरिकी डॉलर), जीवित वस्तुएं (48.61 मिलियन अमेरिकी डॉलर), सूखी खाद्य वस्तुएं (37.60 मिलियन अमेरिकी डॉलर), प्रशीतित लॉबस्टर (33.67 मिलियन अमेरिकी डॉलर) तथा मत्स्य माव्स (16.76 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का स्थान रहा।

प्रमुख निर्यात गंतव्य

जहां तक विदेशी बाजारों का सवाल है, संयुक्त राज्य अमेरिका मूल्य के संदर्भ में भारतीय समुद्री खाद्य का प्रमुख आयातक बना रहा, 2,549.15 मिलियन अमेरिकी डॉलर के आयात के साथ, अमेरिकी डॉलर मूल्य के संदर्भ में 34.53% की हिस्सेदारी है। अमेरिका को निर्यात मात्रा और मूल्य के संदर्भ से क्रमशः 7.46% और 1.42% बढ़ा; हालांकि, अमेरिकी डॉलर के संदर्भ से इसमें 3.15% की गिरावट आई। प्रशीतित श्रिम्प अमेरिका को निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तु बनी रही, अमेरिकी संदर्भ में इसकी हिस्सेदारी 91.90% थी। अमेरिका में ब्लैक टाइगर श्रिम्प के निर्यात में मात्रा के हिसाब से 35.37% और मूल्य के हिसाब से 32.35% की वृद्धि हुई।

चीन (हांगकांग और ताइवान को छोड़कर) अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में भारत के लिए दूसरा सबसे बड़ा समुद्री खाद्य निर्यात गंतव्य देश बनकर उभरा है, जिसमें 1,384.89 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के 4,51,363 मीट्रिक टन आयात मात्रा के साथ, मात्रा में 25.33% और अमेरिका डॉलर में 18.76% की हिस्सेदारी है। चीन को निर्यात में मात्रा में 12.80% की वृद्धि हुई; हालाँकि, रुपये मूल्य की दृष्टि से इसमें 0.88% तथा अमेरिकी डॉलर मूल्य की दृष्टि से 4.21% की गिरावट आई। चीन को निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तु, प्रशीतित श्रिम्प, की मात्रा के हिसाब से 32% तथा अमेरिकी डॉलर मूल्य के हिसाब से 55.11% हिस्सेदारी थी, जबकि प्रशीतित मत्स्य की चीन को कुल निर्यात में मात्रा के हिसाब से 36.83% तथा अमेरिकी डॉलर मूल्य के हिसाब से 21.56% हिस्सेदारी थी।

मात्रा के हिसाब से 6.06% और अमेरिकी डॉलर मूल्य के हिसाब से 5.42% हिस्से के साथ जापान तीसरा सबसे बड़ा आयातक है। प्रशीतित श्रिम्प जापान को निर्यात की प्रमुख वस्तु बनी रही, जिसकी मात्रा में हिस्सेदारी 33.26%, रुपये में 65.94% तथा अमेरिकी डॉलर मूल्य में 65.98% रही।

वियतनाम चौथे सबसे बड़े बाजार स्थान पर है, जो 391.41 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के 1,32,086 मीट्रिक टन का आयात करता है। प्रशीतित श्रिम्प का

आयात अमेरिकी डॉलर आय में 55.43% तथा मात्रा में 30.11% की हिस्सेदारी के साथ सबसे अधिक है, जिसके बाद सूखे उत्पादों का स्थान है।

थाईलैंड पांचवां सबसे बड़ा बाजार है, जिसकी अमेरिकी डॉलर हिस्सेदारी 3.82% है और मात्रा के हिसाब से तीसरे स्थान पर (7.77% हिस्सेदारी) है, जहां 1,38,457 मीट्रिक टन के साथ इसका मूल्य 281.97 मिलियन अमेरिकी डॉलर है। प्रशीतित मत्स्य थाईलैंड को निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तु रही, जिसका अमेरिकी डॉलर आय में 44.37% तथा मात्रा में 63.91% हिस्सा रहा।

कनाडा यूएस डॉलर (2.70% शेयर) के संदर्भ में छठे सबसे बड़े बाजार और मात्रा (1.40% शेयर) के संदर्भ में दसवें स्थान पर है, जिसमें 24,956 मीट्रिक टन का मूल्य यूएस $199.13 मिलियन है। कनाडा को किए गए निर्यात में प्रशीतित श्रिम्प का प्राबल्य है, जिसकी अमेरिकी डॉलर आय में हिस्सेदारी 93.36% तथा मात्रा के संदर्भ से 89.48% है।

स्पेन अमेरिकी डॉलर के हिसाब से सातवां सबसे बड़ा बाजार है (2.65% हिस्सा) और मात्रा के हिसाब से छठवां सबसे बड़ा बाजार है (2.24% हिस्सा), जिसकी निर्यात मात्रा 39,849 मीट्रिक टन है, जिसका मूल्य 195.95 मिलियन अमेरिकी डॉलर है। प्रशीतित कटलफिश स्पेन को निर्यात की जाने वाली प्रमुख वस्तु बनी रही, जिसका अमेरिकी डॉलर में हिस्सा 44.01% तथा मात्रा के संदर्भ से 33.01% रहा।

भारत के लिए समुद्री खाद्य निर्यात गंतव्यों में बेल्जियम 2.42% अमेरिकी डॉलर की हिस्सेदारी के साथ आठवें स्थान पर है, इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (2.15% हिस्सेदारी) और इटली (2.14% हिस्सेदारी) का स्थान है।

शीर्ष 10 बाज़ारों का अमेरिकी डॉलर के हिसाब से योगदान 79.89% है।